बिहार विधान सभा वादवृत्त

सोमवार तिथि २० मार्च १९५०

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने में सोमवार, तिथि २० मार्च १९५० को ११ बजे पुर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

तारांकित प्रश्नोत्तर

STARRED QUESTIOS AND ANSWERS

CHILDREN OF BIHAR COVERNMENT SERVANTS GETTING EDUCATION IN PAKISTAN.

*93. **SRI RAJ KISHORE SINHA:** Will the Hon'ble the Chief minister, be pleased to state—

(a) whether it is a fact that some officers are in the Government of Bihar whose children are getting education in Pakistan;

(b) if the answer to clause (a) be in the affirmative, the amount of money sent every year to Pakistan for their education ?

माननीय श्रीकृष्णवल्लभ सहाय : (क) उत्तर हां है।

(ख) इसके लिए Information पयाप्त नहीं है।

श्री सरदार हरिहर सिंह : कितने ऐसे अफसर हैं जिनके लड़के पाकिस्तान में शिक्षा पाते हैं और उन आफिसरों के नाम क्या है ?

माननीय श्रीकृष्णवल्लभ सहाय: उनके नाम यह हैं जिनके लड़के क्यों पढ़ते हैं जहां तक विहार सरकार को इसकी खबर है।

*माननीय सदस्य की अनुपस्थिति में श्री श्रीशचन्द्र बनर्जी के निवेदन करने पर उत्तर दिया गया।

(१) एस० एम० फतहअली asst provincial transport कमिश्नर, पटना (२) Mr. सैयद मोहम्मद असिस्टेन्ट, कन्जरवेटिव of forest, (३) Mr. sultan Ahmed Inspectors of schools छोटा नागपुर, (४) Mr. खलीलुल रहमान लेजिस्लेटिव dept. (५) सैयद रजाकरीम asst इंजीनियर P.H.E सेक्रेटेरियेट (६) N.H. Khan Dupty Magistrate (७) हबीबुररहमान हेडमास्टर, जिलास्कूल (८) खुरशेद हुसेन A.D.M. और S.N. huda C.V.D.

श्री सरदार हरिहर सिंह: क्या सरकार को इनके परिवार के बारे में खबर है कि उनके परिवार भारत में रहते हैं या पाकिस्तान में ?

माननीय श्रीकृष्णवल्लभ सहाय: सवाल यह है कि कितने लड़के पाकिस्तान में पढ़ते हैं तो सिर्फ लड़के के ही बारे में पूछा गया है उनके परिवारवालों के बारे में नहीं पूछा गया है, इसलिए इसका जवाब देना मुश्किल है।

सरदार हरिहर सिंह: क्या उनके मां-बाप वहां आते जाते हैं या नहीं।

माननीय श्रीकृष्णवल्लभ सहाय: यह सवाल नहीं उठता है।

माननीय अध्यक्ष: जो सवाल पूछा गया है वह मेरी राय में उठता है, मगर जवाब देने में कठिनाई हो तो यह दूसरी बात है।

माननीय डा० अनुग्रहनारायण सिंह: जब बेटा वहां पढ़ रहा है तो बाप के आने जाने में कोई दिक्कत नहीं हो सकती है।

श्री मोसाहिब सिंह: ये जो अफसर है वो कहां-कहां के रहने वाले हैं ?

माननीय श्री कृष्णवल्लभ सहाय: मैंने उनका नाम बता दिया और घर का पता मिल सकता है उनके service book में लिखा हुआ है कि वो कहां के रहने वाले हैं।

श्री मोसाहिब सिंह: क्या सरकार उनकी इस हरकत को पसन्द करती है कि बाप यहां रहें और बेटा वहां पढ़े ?

माननीय श्रीकृष्णवल्लभ सहाय: यह पसन्द करती है कि नहीं यह सवाल नहीं उठता है।

श्री हरिवंश सहाय: ये जो लड़के वहां पढ़ रहे हैं वो वहां के politics में भाग लेते हैं या नहीं। इसके बारे में सरकार को खबर है या नहीं।

माननीय डा० अनुग्रहनारायण सिंह: सरकार को इसकी कोई खबर नहीं है।

श्री हरिवंश सहाय: इनके गार्जियन को इसके बारे में कोई खबर है या नहीं।

माननीय डा० अनुग्रह नारायणसिंह: गार्जियन से दरियाफ्त करने पर ये बात मालूम हो सकती है।

श्री हरिवंश सहाय: हमारे पूछने का मतलब यह है कि ये लड़के वहां anti-Indian activities में भाग लेते हैं या नहीं। इस बारे में Govt. को इनके गार्जियन के मारफत कोई खबर है या नहीं।

माननीय डा० अनुग्रहनारायण सिंह: गार्जियन को खबर है कि नहीं इसकी खबर Govt. को नहीं है।

श्री हरिवंशसहाय: इसके बारे में Govt. जानने के लिए कोशिश करती है या नहीं।

माननीय डा० अनुग्रहनारायण सिंह: इस तरह के प्रश्न का उत्तर देना मुश्किल है।

श्री जमुना सिंह: क्या Govt. को यह खबर है कि वे partition के पहले ही से पढ़ते हैं या उसके बाद से!

माननीय डा० अनुग्रहनारायण सिंह: इसके बारे में सवाल पूछना दुरुस्त नहीं है। आप के ख्वाहिश के मुताबिक इस स्टेज पर ऐसा जवाब देना अच्छा नहीं है।

हरिजन सब-इन्सपेक्टरों का पता।

† ९४। श्री भागवत प्रसाद: क्या माननीय मुख्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) १७ फरवरी, १९५० के तारांकित प्रश्न संख्या ४ के उत्तर में बताये गये जो तीन हरिजन सब-इन्सपेक्टर आफ पुलिस बहाल किये गये हैं, उनकी जाति नाम और पूरा पता क्या है।

(ख) क्या यह बात सही है कि इन तीन में से एक मल्लाह जाति का है।

(ग) क्या मल्लाह जाति भी हरिजन में है?